

शिक्षण योजना

विषय — तंतु से बस्त्र तक

कक्षा — छठी

उप-विषय — पलान

पाठ की लंबाई — 10 अवधि 10 दिनों

सीखने के परिणाम :-

- पाठ के अंत में विद्यार्थी सीख पायेगा कि —
- कौन से पादप तंतु हैं व कौन से जंतु तंतु ।
- वह तंतु को समझने में समर्थ हो जाएगा ।
- वह रुई व पटसन तंतु के लिए अनुकूल परिस्थितियों के बारे में समझ पायेगा ।
- वह कपड़ा उद्योग का इतिहास जान पायेगा ।

पाठ का फोकस :-

पाठ्यक्रम (क्या और क्यों) :-

- तंतु से वस्त्र निर्माण प्रक्रिया को समझना मौलिक है । यह ज्ञान आगे की कक्षाओं का आधार बनाएगा ।
- विद्यार्थी तंतु से वस्त्र बनने तक की प्रक्रिया के बारे में सीखने हैं ।

आवश्यक पूर्व ज्ञान :-

- छात्रों को स्थानीय वस्त्रों का बुनियादी ज्ञान होना चाहिए ।
- छात्रों को विहुल , बांस , नारियल , आदि का ज्ञान होना चाहिए ।

अल्पकालिक सोच :-

- अर्जित ज्ञान को लागू कर सकेगा । जैसे :- आस- पास की वस्तुओं को बैज्ञानिक तरीके से सोच पायेगा ।
- ग्रामीण अवधारणा (जैसे :- विहुल से रस्सी निर्माण) को पाठ से जोड़ पायेगा ।

विस्तारित सोच :-

- खोज की प्रवृत्ति बढ़ेगी ।
- रचनात्मक सोच बढ़ेगी ।
- बच्चे वस्त्र निर्माण प्रक्रिया को जान पायेंगे ।

आवश्यक प्रश्न :-

याद करना :-

- क्या आपने रस्सी देखी है ? हाँ / ना

- विहुल (buel) से रस्सी निर्माण किस –किस ने देखा है ?
- क्या आप रुई से बनी दो वस्तुएं बता सकते हैं ?
- तंतु क्या है ?

समझना :-

- तंतु से वस्त्र निर्माण तक की प्रक्रिया का वर्णन करें ?
- सूती तागे \ धागे की कताई की प्रक्रिया समझाइए ?

लागू करना :-

- रुई तथा जुट पौधों के किस भाग से प्राप्त होता है ?
- नारियल तंतु एक प्राकृतिक तंतु है , यदि हाँ तो दो उदाहरण दीजिए ?
- स्कूल जर्सी बनाने के लिए आप किस प्रकार के तंतु का चयन करेंगे और क्यों ?
- आलू का बोरा किस प्रकार के तंतु से बनता है और क्यों बनता है ?

विश्लेषण :-

- प्राकृतिक व मानव निर्मित तंतु के उदाहरण के साथ अंतर स्पष्ट करें ।
- कताई बुनाई से किस प्रकार भिन्न है स्पष्ट करें ।
- विभिन्न प्रकार के तंतुओं का उपयोग करने के फायदे और नुक्सान की तुलना करें ।
- किसी दिये गये वस्त्र के नमूने का विश्लेषण करें और बताएं कि इसमें कौन से तंतु उपयोग किए गए हैं और इसके पीछे का तर्क क्या है ।

मूल्यांकन :-

- वस्त्र निर्माण में तंतु का क्या महत्व है ?
- हिमाचल प्रदेश में वस्त्र उद्योग पर पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन करें ?
- विभिन्न तंतुओं के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन करें और कैसे कम किया जा सकता है ?

सृजन :-

- दो कागज के टुकड़े लेकर (धागा की तरह) आपस में जोड़ने बुनाई का प्रयोग करें ।
- विहुल (buel) के तंतु लेकर रस्सी निर्माण का क्रियाकलाप करें ।

आवश्यक TLM शिक्षण अधिगम सामग्री :

सामान्य:

दृश्य सामग्री: तंतु से वस्त्र निर्माण प्रक्रिया को दर्शाने वाले चार्ट ।

मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ :-

- तंतु से वस्त्र निर्माण को समझाने वाले वीडियो ।

लिंक: https://youtu.be/AGSVj1vCbVY?si=TuulRQixgr_M46ah

- हस्त तकुआ (तकली) चरखा और कताई व बुनाई को समझाने वाली वीडियो |

लिंक: <https://youtu.be/IJil99ON20?si=7CJ6jYCKlO3pVohl>

लिंक: <https://youtu.be/C624EWK5fcl?si=qUINWRih9v1MjHrr>

लिंक: <https://youtu.be/2LuuFXFDLDY?si=t5WjlSNDd2wLPlwg>

लिंक: <https://youtu.be/X9E4M62peKs?si=dJcusdvEeHjr9xiB>

अनुकूलित:

- वस्त्रों के पारंपरिक बाजारों का जैसे :- कपड़ों की दूकान एक फोटोग्राफिक दौरा, आप यह भी डाल सकते हैं – हिमाचल के पारंपरिक हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग, कुल्लू शॉल्स के निर्माण पर एक इंटरैक्टिव e - book,

लिंक: <https://youtu.be/3Bpa4DG8lr4?si=M5KFh4PZV-G4W39P>

लिंक: <https://youtu.be/vW3ceCWPlaM?si=sdixlOBaw5le6kiz>

लिंक: https://youtube.com/shorts/jSXcyG3y6_g?si=C9hhlXDnVsZ3cli9

लिंक: <https://youtu.be/2ahtmRYkCOA?si=sfW4BulWuhdrE0S5>

लिंक: <https://youtu.be/ugyc5qC4IJI?si=HnsH98M-dtKvaClO>

लिंक: <https://youtu.be/rZPs-OPt6vQ?si=rbC1VjVwDfn59E74>

लिंक: <https://youtube.com/shorts/Xo7BzU9rtne?si=Yms1j5uDILlZg7Tw>

Referrals :- HP Board Dharmshala , science class – 6 th , chapter no – 3 (old book) / science Class 6th NCERT .

कौशल :-

- वस्त्रों में विविधता कर पायेगा |
- प्राकृतिक व मानव निर्मित तंतु में भेद कर पाएगा |
- तागे / धागे से वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया को समझ पाएगा |

योग्यताएँ :-

- महत्वपूर्ण सोच
- नवाचार
- रचनात्मकता
- आलोचनात्मक सोच

आवश्यक शब्दावली :-

- रुई
- वस्त्र
- तंतु
- कताई

- बुनाई
- धागा

शैक्षणिक रणनीतियों :-

पाठ को विभिन्न शिक्षण विधियों जैसे पूछताछ आधारित शिक्षण , संज्ञानात्मक भार प्रबंधन . सांस्कृतिक संदर्भ का उपयोग करके पढ़ाया जाएगा ।

शिक्षाशास्त्र के पीछे मनोविज्ञान :-

- छात्रों को प्रश्न पूछने और स्वतंत्र रूप से उत्तर खोजने के लिए प्रोत्साहित करने से जिज्ञासा बढ़ती है ।
- जानकारी को प्रबंधनीय खंडों में प्रस्तुत करने से संज्ञानात्मक भार कम हो जाता है ।
- छात्रों को सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और स्थानीय उदाहरणों पर विचार करने से प्रासंगिकता बढ़ जाती है ।
- पाठ को पारंपरिक प्रथाओं या स्थानीय उदाहरणों से जोड़ने से शिक्षा समृद्ध होती है ।

शिक्षण प्रक्रिया :-

सीखने के प्रारंभिक हुक :-

- तंतु व तंतु के प्रकार से संबंधित वीडियो से शुरुवात करें ।
- छात्रों को उनके अवलोकन और विचार साझा करने को कहें ।

प्रत्यक्ष अनुदेश :-

- पाठ से सम्बंधित कहानी मल्टीमीडिया प्रस्तुति के माध्यम से नई सामग्री प्रस्तुत करें ।
- प्रक्रिया को प्रासंगिक बनाने के लिए कहानी कहने का उपयोग करें ।

निर्देशित एवं स्वतंत्र अभ्यास :-

समूहों में \ अलग – 2 क्रियाकलाप आयोजित करें –

- दर्जी की दुकान से कतरन इकट्ठा करें व पता करें कौन – 2 से तंतु का प्रयोग हुआ है ।
- कतरन से तागा \ धागा व तागा से तंतु खींच कर सीखाएं ।

गतिविधियाँ :-

- विद्यार्थी घर जाकर रुई से तंतु निकालकर देख सकते हैं, ऐसा क्रियाकलाप दिया जा सकता है ।
- यदि संभव हो तो दादा – दादी / माता – पिता से बोलकर विहुल (buel) के रेशे / तंतु (स्थानीय भाषा में सेल) लेकर धागा / रस्सी निर्माण करें ।
- बाज़ार दौरे के बाद छात्रों से चर्चा करना कि उन्होंने क्या देखा और यह उनकी पाठ्यपुस्तक से संबंधित है या नहीं ।
- स्थानीय वस्त्र उद्योग (हौजरी) , बाजारों में खादी एवं ग्रामोद्योग की दूकान का दौरा करना ।

आकलन :-

रचनात्मक मूल्यांकन :- कक्षा में चर्चा के दौरान तंतु , कताई व बुनाई से संबंधित प्रश्न पुछें ।

योगात्मक मूल्यांकन :- पोस्टर व रोल – प्ले प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करें ।

प्रश्न पूछें —

1. तंतु क्या है ?
2. तंतु के कितने प्रकार हैं ?

छात्रों या गृहकार्य के लिए अनुवर्ती और कार्य योजना —

- गृह कार्य —
- वर्णन करें — तंतु का कपड़ा उद्योग में क्या महत्व है ?
- अनुवर्ती — अगली कक्षा में गृह कार्य पर चर्चा करें और शंकाओं का समाधान करें ।

प्रतिबिंब :-

- गतिविधियों के दौरान छात्रों की सहभागिता पर विचार करें और तदनुसार समायोजित करें ।
- सुधार के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया पर विचार करें ।

विभेदित अनुदेशात्मक योजना :-

- जो छात्र आगे जानना चाहते हैं उनके लिए अतिरिक्त ससांधन (वीडियो, लेख) प्रदान करें ।
- संघर्षरत छात्रों के लिए सरलीकृत सपष्टीकरण प्रदान करें ।
- सहयोगात्मक शिक्षण के लिए सहकर्मी शिक्षण को प्रोत्साहित करें ।

समग्र प्रगति कार्ड (HPC) और (NCRF)

व्यक्तिगत छात्रों की समग्र प्रगति के साथ सीखने की पूरी प्रक्रिया का मानचित्रण और एकीकरण :-

- क्विज , चर्चाओं और परियोजनाओं तथा गतिविधियों के माध्यम से नियमित रूप से छात्रों की समझ का आकलन करें ।
- तंतु से संबंधित प्रमुख अवधारणाओं को समझने में प्रगति को ट्रैक करें
- सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने और तदनुसार निर्देश तैयार करने के लिए एचपीसी का उपयोग करें ।